Lecture - 150.

राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाओं की भूमिका

- Mamta Rani
Deptt. of History.
SNSRKS college, Saharsa
Guest Assistant Professor.
27 - 10 - 2020.

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाओं की भूमिका / योगदान

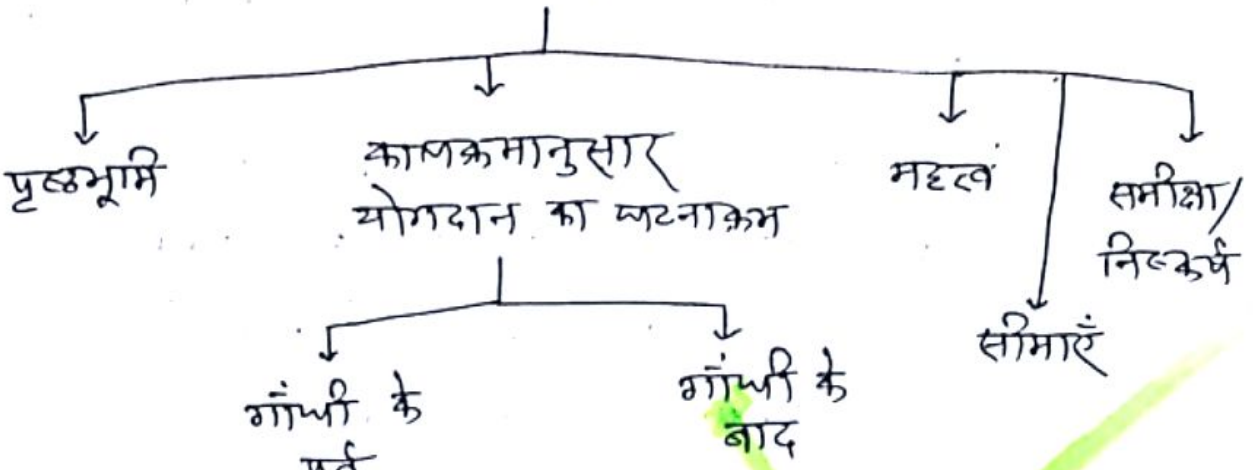

पृष्ठभूमि –

- परंपरागत रूढ़िवादी भारतीय समाज में महिलाओं की दशा - दयनीय
- सती प्रथा, बाल विवाह, विधवाओं की स्थिति, शिशु (बालिका) वध, पर्दा प्रथा, स्त्री शिक्षा नगण्य
- विभिन्न समाज सुधारकों का प्रयास, परंतु अंग्रेजों के आने के बाद सुधार में प्रगति
- शिशु बालिका वध पर रोक 1804 में, सती प्रथा पर रोक 1829 में, विधवा पुनर्विवाह आंदोलनम, 1856 में 'नेटिव मैरिज एक्ट' - 1872 में 14 वर्ष से कम आयु बालिकाओं का विवाह वर्जित

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

- उपरोक्त सभी सामाजिक सुधारों के अलावे नारी मुक्ति की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण योगदान नारी शिक्षा का रहा।
  - बढ़ती हुई स्त्री शिक्षा के साथ महिलाओं में राष्ट्रीय चेतना का विकास
  - फलतः राष्ट्रीय आंदोलन में भागीदारी में वृद्धि
  - शासन करने के ब्रिटिश आधार पर प्रश्नचिन्ह क्योंकि ब्रिटिश सत्ता ने भारतीय समाज में नारियों की निम्न स्थिति में सुधार से स्वयं को जोड़कर ब्रिटिश शासन को वैधानिक औचित्य प्रदान करने की कोशिश

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz